सभोपदेशक 10:9 का अर्थ समझिए – “जो पत्थर काटता है, वह उसी से घायल
होगा।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

http://8

सभोपदेशक 10:9 (पवित्र बाइबल: हिंदी ओ.वी.)

“जो पत्थर काटता है, वह उसी से घायल होगा; और जो लकड़ी चीरता है, वह
उस से संकट में पड़ेगा।”

इस वचन का क्या अर्थ है?

यह वचन हमें यह सिखाता है कि मनुष्य जो कोई भी कार्य करता है, उसमें किसी न किसी प्रकार का खतरा छुपा रहता है। यहाँ लेखक ने पत्थर काटने वालों का उदाहरण दिया है। प्राचीन समय में निर्माण कार्य के लिए लोग चट्टानों से पत्थर काटते थे। यह कार्य करते समय वे कई प्रकार के जोखिमों का सामना करते थे — जैसे कि कोई पत्थर गिरकर उनके शरीर को चोट पहुँचा सकता था, या उनके औज़ार फिसलकर उन्हें घायल कर सकते थे।

इसी तरह लकड़ी काटने वालों का भी उदाहरण दिया गया है। जो लोग इमारतों के लिए लकड़ियाँ काटते हैं, उन्हें भी खतरा बना रहता है — हो सकता है कि पेड़ ही उन पर गिर जाए या कुल्हाड़ी फिसल कर किसी को घायल कर दे।

इसी बात को हम व्यवस्थाविवरण 19:5 में पढ़ते हैं:

सभोपदेशक 10:9 का अर्थ समझिए – “जो पत्थर काटता है, वह उसी से घायल
होगा।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“यदि कोई अपने पड़ोसी के संग जंगल में लकड़ी काटने जाए, और वह अपनी कुल्हाड़ी से पेड़ काटने के लिये हाथ बढ़ाए, और उस कुल्हाड़ी का
फल अपने डंडे से निकल कर उसके पड़ोसी को लगे कि वह मर जाए, तो वह उन नगरों में से किसी एक में भाग जाए, जिससे वह जीवित बचे।”

यह बिलकुल वैसा ही है जैसे कोई बढ़ई या मिस्त्री जो रोज़ हथौड़े और कीलों के साथ काम करता हो — कभी न कभी ऐसा अवसर आएगा जब हथौड़ा उसके हाथ फिसल जाएगा और वह अपनी उंगली पर चोट कर बैठेगा, या वह किसी कील पर पैर रख देगा। लेकिन यदि वह व्यक्ति घर में बैठा कुछ न करता, तो ऐसी घटनाएँ न होतीं।

आत्मिक रूप से इसका क्या अर्थ है?

परमेश्वर के बच्चों के रूप में हमें यह समझना चाहिए कि जब हम शैतान के कामों को उखाड़ने और प्रभु के खेत में सेवा करने के लिए निकलते हैं, तो हमें भी विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। हर बार सब कुछ सरल नहीं होगा कि हम केवल फसल काट लें। कई बार हमें मार सहनी पड़ेगी, अपमान सहना पड़ेगा, बंदी बनाया जाएगा, और कभी-कभी तो जान भी चली जाएगी।

मत्ती 10:17-19 (पवित्र बाइबल: हिंदी ओ.वी.)

सभोपदेशक 10:9 का अर्थ समझिए – “जो पत्थर काटता है, वह उसी से घायल
होगा।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“परन्तु तुम लोगों से सावधान रहना, क्योंकि वे तुम्हें यहूदी
सभाओं में सौंपेंगे, और अपनी आराधनालयों में कोड़े मारेंगे। और तुम्हें राजाओं और हाकिमों के सामने मेरे कारण पहुँचाया जाएगा,
ताकि उनके और अन्यजातियों के लिये गवाही हो।”

प्रेरित पौलुस जब एशिया और यूरोप में मसीह का प्रचार कर रहा था, उसने अनेक कठिनाइयों का सामना किया — उसे पथराव सहना पड़ा, जेल जाना पड़ा, और कई प्रकार की धमकियों से गुजरना पड़ा। डॉ॰ डेविड लिविंगस्टोन जैसे मिशनरी, जिन्होंने अफ्रीका में सुसमाचार पहुँचाया, उन्हें मलेरिया जैसी बीमारियों और जंगली जानवरों का सामना करना पड़ा।

फिर भी इन सब कठिनाइयों के बावजूद प्रभु ने बड़ी आशीष और विजय का वादा किया है, जो इन सब खतरों से कहीं बढ़कर है। इसलिए हमें डरना नहीं चाहिए और यह न समझना चाहिए कि परमेश्वर की सेवा केवल दुख और कष्टों से भरी होती है। नहीं, बहुत बार प्रभु शांति और आत्मिक उन्नति देता है। लेकिन उसने यह भी नहीं छिपाया कि कभी-कभी खतरे भी आएँगे। ताकि जब ऐसा हो, तो हम उदास या हतोत्साहित न हों, बल्कि प्रभु के कार्य में लगे रहें।

प्रभु तुम्हें आशीष दे!

क्या तुम उद्धार पाए हो?

सभोपदेशक 10:9 का अर्थ समझिए – “जो पत्थर काटता है, वह उसी से घायल
होगा।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

क्या तुम्हारे पाप क्षमा हो गए हैं? यदि नहीं, तो किस बात का इंतज़ार कर रहे हो? यदि आज तुम्हारी मृत्यु हो जाए, तो तुम कहाँ जाओगे? याद रखो, आग की झील है। याद रखो, दुष्टों के लिए न्याय ठहराया गया है। आज ही पश्चाताप करो और यीशु मसीह की ओर लौट आओ। वह तुम्हारे पापों को धो देगा। प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लो ताकि पापों की क्षमा पाओ। ये अन्त के दिन हैं। यीशु मसीह शीघ्र ही आने वाला है।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ भी बाँटें।

Share on:
WhatsApp

Print this post